16 दिसंबर को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सहारनपुर में

■ 16 दिसंबर को प्रदेश स्तरीय भारत जोड़ो यात्रा सहारनपुर जनपद में 25 किलोमीटर की पदयात्रा करेगी जो ऐतिहासिक होगी : चौ. मुजफ्फर अली

भास्कर ब्यूरो

सहारनपुर। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चौ. मुजफ्फर अली की अध्यक्षता में महानगर कांग्रेस कार्यालय पर एक अति आवश्यक बैठक आहूत की गई क बैठक में 16 दिसंबर को प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय भारत जोड़ो यात्रा के सहारनपुर में भ्रमण का मार्ग व कार्यक्रम घोषित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष चौ. मुजफ्फर अली ने कहा कि जनपद में यात्रा लगभग 25 किमी पैदल चलेगी क जिलाध्यक्ष चौधरी मुजफ्फर अली, महानगर अध्यक्ष वरुण शर्मा ने यात्रा का कार्यक्रम व मार्ग घोषित करते हुए बताया कि यात्रा 16 दिसंबर को प्रातः मिशन कंपाउंड स्थित खेमका सदन से प्रारंभ होगी, जिसमें प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के नेतागण भी शामिल होंगे कउन्होंने यात्रा मार्ग की जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा खेमका सदन से प्रारंभ होकर खलासी लाइन, दर्पण सिनेमा, अंबाला रोड, कुतुब शेर, घंटाघर देहरादून रोड, विश्वकर्मा चौक, पेपर मिल रोड होते हुए, दोपहर तक शेखपुरा कदीम पहुंचेगी और मध्यान्ह भोजन व विश्राम के लिए कुछ समय वहां रुकेगी कविश्राम के पश्चात शेखपुरा कदीम से यात्रा पुनः प्रारंभ हो कर टपरी होते हुए नागल में पहुंचकर समाप्त होगी और अपने अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी। चौधरी मुजफ्फर अली ने बताया कि यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में जनता में विशेष उत्साह है और नागरिक विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत करेंगे और पद यात्री मार्ग में शहीद-ए-आजम भगत सिंह, लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंहकी प्रतिमाओं व विश्वकर्मा चौक पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए आगे बढ़ेंगे। चौधरी मुजफ्फर अली व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मेहरबान आलम ने कहा कि आज देश में जनता की आवाज को दबाया जा रहा है, सांसदों व विधायकों को संसद व विधानसभाओं में बोलने का हक नहीं दिया जा रहा, ताकि वें जनता की समस्याओं को ना उठा सके क सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करते हुए जनता के नुमाइंदों की आवाज को दबाकर देश में लोकतंत्र को कमजोर कर रही है क ऐसे में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी देश को जोड़ने और लोकतंत्र को बचाने के मिशन पर 3570 किलोमीटर की यात्रा पर कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए निकले हैं। चौधरी मेहरबान आलम ने कहा कि राहुल जी की इस पदयात्रा से प्रेरणा लेकर प्रदेश कांग्रेस ने एक प्रदेश स्तरीय भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन किया,जिसके माध्यम से हम समस्त कांग्रेसजन जनता के बीच जाकर भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्यों एवं जरूरत के संदर्भ में लोगों को शिक्षित करेंगे प्रदेश सचिव प्रवीण चौधरी व एआईसीसी सदस्य अशोक सैनी ने समस्त कांग्रेसजनों से यात्रा की सफलता के लिए कर्मठता व ईमानदारी से कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि हिमाचल की जनता ने कांग्रेस को सत्ता सौंप कर यह बता दिया है कि आज देश की जनता कांग्रेस को आशा भरी निगाहों से देख रही है। प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा ने कहा कि हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जनता की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर, सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित 53 वर्षीय मरीज ने फोर्टिस नोएडा में सफल घुटना प्रत्यारोपण के बाद 22 किलोमीटर लंबा केदारनाथ ट्रैक पूरा किया

नोएडा। 53 साल की सविता भल्ला अपने दोनों घुटनों में बाइलेटरल ग्रेड 4 ऑस्टियोआर्थराइटिस के चलते न सिर्फ शारीरिक तकलीफे झेलने को मजबूर थीं बल्कि सेडेंट्री जिंदगी जीने को मजबूर हो गई थीं। उनके दोनों पैर ऑस्टियोआर्थराइटिस की वजह से मुड़कर धनुष जैसे हो गए थे और उन्हें चलने-फिरने में भारी तकलीफ थी। ऑस्टियोआर्थराइटिस तकलीफदेह और लगतार क्षय बढ़ाने वाला रोग है जिसके कारण मरीज के लिए अपने रोजमर्रा के काम भी मुसीबत बन जाते हैं। इलाज के लिए जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया तो वह काफी मुश्किल से चल पा रही थीं। लेकिन वह काफी हिम्मती थीं और डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा अपने परिवारजनों की सलाह मानकर उन्होंने सर्जरी करवाने का फैसला किया ताकि नॉर्मल लाइफ दोबारा पा सकें। उनके घुटनों के जोड़ों का एक्स-रे और ब्लड टैस्ट किया गया जिससे पता चला कि उनके दोनों घुटनों के जोड़ों में स्टेज 4 ऑस्टियोआर्थराइटिस है। फोर्टिस नोएडा के डॉ अतुल मिश्रा, डायरेक्टर एवं एचओडी, ऑर्थोपिडिक्स के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने उनके दोनों घुटनों की आइलेटरल कंप्यूटर-नेवीगेटेड सर्जरी की जिसमें सर्जिकल प्रिसिजन और सॉफ्ट टिश्यू बैलेंसिंग के परिणामस्वरूप अच्छे परिणाम मिले। मरीज न सिर्फ पूरी तरह से स्वस्थ हो गईं बल्कि हाल में उन्होंने केदारनाथ का 22 किलोमीटर लंबा बेहद चुनौतीपूर्ण ट्रैक भी सफलतापूर्वक पूरा किया है। मरीज की सर्जरी से पहले के हालत के मद्देनजर यह किसी चमत्कार से कम नहीं है। इस सर्जरी के बारे में और जानकारी देते हुए डॉ अतुल मिश्रा, डायरेक्टर एवं एचओडी, ऑर्थोपिडिक्स, फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने बताया मरीज को काफी नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया था और उस समय उन्हें काफी दर्द भी था, वह बहुत कठिनाई के साथ चल रही थीं।

अमेजन के क्रिसमस शॉपिंग स्टोर के संग उपहार देने का जश्न मनाएं

भास्कर ब्यूरो

नई दिल्ली। आप भी अपनी सीक्रेट सांता लिस्ट तैयार कर लें और अमेजन. इन पर विशेष रूप से तैयार किए गए क्रिसमस स्टोर से खुद के और अपने प्रियजनों के लिए उपहार खरीद कर क्रिसमस की खुशियां बांटने के लिए तैयार हो जाइए। इस स्टोर में क्रिसमस डेकोर, गिफ्ट सेट, पार्टी एसेंशियल, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, किराने का सामान और घर का अन्यं सामान, होम डेकोर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सेसरीज, अमेजॅन डिवाइस, फैशन ब्यूटी एसेंशियल के लिए शानदार डील्स और ऑफर उपलब्ध हैं। स्टोर 25 दिसंबर 2022 तक लाइव है। अमेजन.इन पर विशेष रूप से तैयार किया गया क्रिसमस स्टोर घर बैठे खरीदारी करने और उपहार देकर खुशियां बांटने जैसी कस्टपमर्स की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए वन-स्टॉप है। कस्टेमर्स हिमालया, द होल टूथ, फेरेरो रोचर, हर्शे, क्यूब्स, बेकर्स डोजेन, बेवज़िला सैमसंग, वनप्लस, सोनी, फास्ट्रैक, जीआईवीए, हैपिलो, रेड्मी, बोरोसिल, बजाज जैसे लोकप्रय ब्रांडों की खरीदारी यहां से कर सकते हैं। कस्ट्मर्स अमेजन शॉपिंग ऐप (केवल एंड्रॉइड) पर एलेक्सा द्वारा क्रिसमस स्टोर से खरीदारी करने के लिए अपनी आवाज का उपयोग भी कर सकते हैं। यूजर ऐप पर माइक आइकन टैप करके कह सकते हैं - एलेक्सा, क्रिसमस स्टोर पर जाएं और वे सीधे स्टोर में पहुंच जाएंगे। अमेजन. इन पर गिफ्ट खोजें और सेलर्स के ऑफर्स व डील्स के साथ अपने क्रिसमस को और भी खास बनाएं। अपने घर को क्रिसमस के लिए तैयार करें दिवाली, क्रिसमस, पार्टी और शादी के लिए सजावटी लाइटें One94store क्रैक स्टार स्ट्रिंग लाइट 16 एलईडी (प्लग-इन): इस क्रिसमस पर ये सुपर क्यूट पेस्टल स्टार स्ट्रिंग्स आपके बच्चों के बेडरूम को जगमग करने के लिए एकदम परफेक्ट हैं। वार्म मिनी एलईडी लाइट आपकी सजावट को चार चांद लगाने और आपकी पार्टी में वेलकम फीलिंग लाने बिल्कुरल सही पसंद हैं। इसे अमेजन.इन पर 474 रुपये में खरीदें।

वंचित बच्चों के सहयोग के लिए लुफ्थांसा ने इंपैक्टगुरु डॉट कॉम पर की क्राउड फंडिंग की शुरूआत

भास्कर ब्यूरो

नई दिल्ली। लुफ्थांसा ने वंचित वर्ग के बच्चों के सहयोग के लिए इंपैक्टगुरु डॉट कॉम प्लेटफॉर्म पर अभियान की शुरूआत की है। भारत में सड़क किनारे एवं झुग्गियों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा एवं आवास की व्यवस्था के लिए लुफ्थांसा क्राउडफंडिंग के माध्यम से रकम जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस पहल के तहत लुफ्थांसा सभी दानदाताओं के पास कैलेंडर ऑफ होपह्व भी भेजेगी। समाज के कमजोर तबके की मदद के लिए पैसे जुटाने के लिए लुफ्थांसा ने महामारी के बाद कैलेंडर ऑफ होप की शुरूआत की थी। 301 रुपये से ज्यादा मदद देने वाले हर दानदाता को 2023 का कैलेंडर मिलेगा और कोई भी व्यक्ति अभियान में सहयोग करते हुए 25 कैलेंडर तक मंगा सकता है। इस पहल से जुटाई गई राशि का प्रयोग आसरा ट्रस्ट के बच्चों की मदद में किया जाएगा। यह ट्रस्ट देहरादून में 3,300 से ज्यादा बच्चों की मदद कर रहा है। इसके अलावा दिल्ली में 265 से ज्यादा बच्चों को आश्रय देने वाली सनशाइन चिल्ड्रेन एजुकेशन सोसायटी को भी मदद दी जाएगी। फंड के माध्मय से बच्चों को भोजन, दवा, कपड़े, कंबल, स्टेशनरी व अन्य जरूरी वस्तुएं दी जाएंगी। लुफ्थांसा ग्रुप का हेल्प अलायंस इंडिया वर्षों से इन दोनों को सहयोग दे रहा है। इस पहल से मिलने वाली राशि का प्रयोग एक बच्चे की शिक्षा के लिए 2,200 रुपये प्रति महीने, 100 बच्चों के भोजन के लिए 3,000 रुपये, 800 बच्चों को एक गिलास दूध उपलब्ध कराने के लिए 6,000 रुपये के रूप में किया जाएगा। लुफ्थांसा ग्रुप की टीम ने कहा, ह्यहर छोटे से छोटा दान जरूरतमंद बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। आपकी तरफ से किए गए इस अच्छे काम की निशानी के रूप में कैलेंडर ऑफ होप को आप तक पहुंचाया जाएगा।

मल्टी-लेयर्ड प्लास्टिक में विशेषज्ञता का प्रदर्शन

भास्कर ब्यूरो

नोएडा। यूफ्लेक्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अशोक चतुवेर्दी ने न्यूयॉर्क में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की बैठक में एलायंस टु एंड प्लास्टिक वेस्ट बोर्ड की बैठक में मल्टी-लेयर्ड प्लास्टिक को दोबारा रिसाइकिल करने के बारे में अपने विचारों और दृष्टिकोण को साझा किया। यूफ्लेक्स भारत में फ्लेक्सबिल पैकेजिंग मटीरियल और सोल्यूशन के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी है। इस कंपनी को दुनिया भर में मिक्सड प्लास्टिक वेस्ट की रिसाइक्लिंग की पहली कंपनी होने का श्रेय दिया जाता है। कंपनी का रिसाइक्लिंग संयंत्र भारत के एनसीआर क्षेत्र, नोएडा में 1995 से है। कंपनी के रिसाइक्लिंग के दिशा में किए गए प्रयासों की दावोस रिसाइक्लिंग फोरम और भारत सरकार ने पहचान की है।

न्यूयॉर्क में हुई एईपीडब्ल्यू की बोर्ड मीटिंग में चतुवेर्दी ने दुनिया भर में मल्टी-लेयर मिक्स्ड प्लास्टिक के लगातार एवं अत्यावश्यक इस्तेमाल का मुद्दा मजबूती से उठाया। यह जरूरी और आवश्यक कई पदार्थों की पैकेजिंग के लिए अवरोधक का काम करते हैं, जिसमें फूड प्रॉडक्ट्स भी शामिल हैं। यह तेज रफ्तार से पैकेजिंग के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इन्हें 100 फीसदी रीसाइकिल किया जा सकता है। चतुवेर्दी की एईपीडब्ल्यू बोर्ड के सामने दी गई प्रेजेंटेशन में नोएडा, पौलेंड और मैक्सिको में यूफ्लेक्स के रिसाइक्लिंग संयंत्र का वर्चुअल दौरा भी शामिल था। इन संयंत्रों में उपभोक्ताओं के इस्तेमाल के बाद मिक्स्ड प्लास्टिक वेस्ट को घरों में काम आने वाले उपयोगी पदार्थों और इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स के रूप में तब्दील किया जाता है। जैसे कूड़ेदान, आउटडोर फर्नीचर और अन्य वस्तुओं का निर्माण रिसाइकिल किए गए प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स से किया जाता है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ओर इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के बीच करारा

नई दिल्ली। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस(ISB) ने आज कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ अपने गठबंधन की घोषणा की, जो कृषि-पोषण परिवर्तन को सुदृढ़ बनाने के लिए है। इस गठबंधन का नेतृत्व ISB, यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड (UoS) और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (LSHTM) द्वारा किया जाएगा। इसकी औपचारिक रूप से घोषणा श्री मनोज आहूजा, क्अर, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा कृषि भवन, नयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में की गई। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, ISB, UoS, LSHTM, के प्रोफसर और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, माइक्रोसॉफ्ट कंसल्टिंग(टरउ) और पॉलिसी डेवेलपमेन्ट एंड एडवाइजरी ग्रुप (PDAG) के वरिष्ठ प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित रहे। श्री मनोज आहूजा, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, ने कहा कि, विशेषकर पिछड़ी जनसंख्या में पोषण में सुधार की जरूरत प्राथमिक रूप से महत्त्वपूर्ण है। इस तत्काल जरूरत का समाधान करने के लिए कृषि और पोषण में नीतियों और कार्यक्रमों का कन्वर्जन होना ही चाहिए। डॉ. अभिलाष लिखी, अतिरिक्त सचिव, प्रमोद कुमार मेहर्दा, अतिरिक्त सचिव, डॉ. विजय लक्ष्मी नडेंडला, संयुक्त सचिव, शुभा ठाकुर, संयुक्त सचिव और कपिल बेंद्रे, निदेशक ने लांच बैठक में कंसोर्टियम के प्रतिनिधियों से चर्चा की। ISB, मंत्रालय से इस गठबंधन को सुदृढ़ बनाएगा जो पोषण परिणामों में सुधार करने और कृषि-पोषण परिवर्तन सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार के प्रयासों को और संवर्धित बनाएगा और इसके साथ ही केंद्रीय और राज्य स्तरों पर कन्वर्जेन्स अवसरों को चिन्हित करने के लिए एक संस्थागत प्रणाली स्थापित की जाएगी।

भारत में हुआ रियलमी 10 प्रो सीरीज का अनावरण

भास्कर ब्यूरो

मेरठ। रियलमी ने आज अपने लेटेस्ट यूथ फ्लैगशिप स्मार्टफोंस - रियलमी 10 प्रो+ 5जी और रियलमी 10 प्रो 5जी के लॉन्च की घोषणा की। रियलमी 10 प्रो सीरीज 5जी को उत्कृष्टता के साथ बनाया गया है। इसमें अद्भुत डिस्प्ले, फ्लैगशिप कैमरा, शक्तिशाली 5जी प्रोसेसर है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इसमें बॉक्स में रियलमी यूआई 4.0 मिलता है। अपनी नंबर सीरीज में नए उत्पाद के साथ रियलमी एक बार फिर यूजर्स को ज्यादा आधुनिक व संपूर्ण अनुभव प्रदान कर रहा है, और मिड से लेकर हाई एंड सेगमेंट में अपनी पहुँच का विस्तार कर रहा है। लॉन्च के बारे में श्री माधव शेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी, और प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिजनेस ग्रुप ने कहा, रियलमी नंबर सीरीज भारत और विश्व में हमारे यूजर्स द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की गई सीरीज है। यूजर्स को ज्यादा आधुनिक टेक्नॉलॉजी प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ हमने हमेशा नंबर सीरीज के हर उत्पाद में ज्यादा आधुनिक विशेषताएं प्रदान की हैं, जो अपने मूल्य वर्ग में सर्वश्रेष्ठ हैं। रियलमी 10 प्रो सीरीज 5जी के साथ हमारा उद्देश्य नंबर सीरीज में बाजार की सर्वोत्तम विशेषताएं पेश करना और यूजर्स को प्रीमियम फीचर्स प्रदान करना है। इन दोनों स्मार्टफोंस में फ्लैगशिप लेवल का डिस्प्ले और शक्तिशाली 5जी प्रोसेसर है, जो भारत में 5जी को जनसमूह तक पहुँचाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

हम विश्व में नंबर सीरीज के 50 मिलियन यूजर्स तक पहुँच चुके हैं, जिनमें से 30 मिलियन यूजर्स भारत से हैं, और हमारे यूजर्स को रियलमी 10 प्रो सीरीज 5जी भी बहुत पसंद आएगी। नंबर सीरीज के साथ वृद्धि के नए चरण में प्रवेश करते हुए रियलमी ने एक नई ए-लेवल रियलमी स्पायर कॉर्पोरेट स्ट्रेट्जी पेश की है।

टेलीविजन पूरी तरह से एक अलग स्ट्रक्चर है जिसमें दर्शकों का एक अलग ग्रुप और कंटेंट का एक अलग स्टाइल है: अर्जुन कपूर

भास्कर ब्यूरो

नई दिल्ली। अर्जुन कपूर का इंटरव्यू एमटीवी निषेध 2 के लिए ट्रांसक्रिप्ट उनसे बातचीत के प्रमुख अंश।

सवाल- एमटीवी निषेध सीजन 2 जैसे टीवी शो को प्रमोट करने के लिए आप किस बात से सहमत हो गए?

जवाब- यह एक नो ब्रेनर था। जब आप एमटीवी निषेध जैसे शो को देखते हैं, तो आपको ऐसा लगता हैं कि वे आज की जनरेशन से बात कर रहे हैं जो अपने वर्तमान और अपने भविष्य के लिए विकल्प चुन रही है। मेरे लिए, किसी ऐसी चीज से जुड़ना अत्यंत जरूरी था जिसके बारे मे मुझे पता है कि वास्तविक, सच्चा और अनिर्मित है। तथ्य यह है कि उन्होंने नए और युवा अभिनेताओं को लिया है, और उन्होंने वर्जित विषयों पर बात की है, इसने मेरे लिए इसे बहुत सरल बना दिया है। यह उन लोगों के लिए जरूरी है जो वास्तव में टारगेट ऑडियंस के साथ बोल सकते हैं क्योंकि उनकी आवाजें युवाओं के साथ गूंजेंगी, और आज के युवा सभी सही वजहों से एमटीवी देखते हैं। इसलिए, अगर वे अपने परिवार, समुदाय, या मित्र सर्कल में निषेध जैसे शो की वजह से बातचीत कर सकते हैं, तो मैं किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में होना चाहूंगा जो उस प्रारूप को आगे बढाता है, जो एक सहयोगी है और इसके द्वारा यहां एक कारण बताते हुए खड़े होकर बात करें और बोलें यह, यहाँ कुछ ऐसा है जो आपकी जनरेशन की एक समस्या है, इसलिए, इसके बारे में बोलें। घटनाएँ स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति उत्पन्न करने के लिए घटित होती हैं जो आप चाहते हैं, जैसा की मैं हमेशा मानता हूं कि बात करने से चीजें हल हो जाती हैं, भीतर रखने से नहीं। आज, मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य तीनों साथ-साथ चलते हैं। जब आपको अपनी भावनाओं को बाहर निकालने का रास्ता नहीं मिलता है तो आपका मानसिक स्थिति खराब होती है, और निषेध आपके दोस्तों, परिवार के सदस्यों, डॉक्टरों, काउंसेलर, या आपके आस-पास के सुपरवाइजर से बात करने के लिए एक कैटेलिस्ट के रूप में काम कर सकता है। निषेध वर्जित विषयों के बारे में बात करता है, जिसमें सेक्स भी शामिल है जो हमारे देश का एक बड़ा टैबू है, गर्भपात,टीबी भी ऐसे विषय हैं जिनके बारे में आरोग्य,तनावमुक्त, शांत और संयमित तरीके से बात करनी चाहिए।

सवाल- क्या हम आपको भविष्य में एमटीवी निषेध 2 या किसी अन्य फिक्शन शो जैसे शो के लिए में टीवी पर डेब्यू करते हुए देख पाएंगे?

जवाब- टेलीविजन पूरी तरह से एक अलग स्ट्रक्चर है, जिसमें दर्शकों का एक अलग ग्रुप और कंटेंट का एक अलग स्टाइल है। अगर मैं कुछ करना चाहता हूं, तो यह उन फिल्मों के दायरे से अलग चाहिए जो मैं कर रहा हूं। मैं कभी ना नहीं कहता क्योंकि मैंने टेलीविजन पर पहले भी एक रियलिटी शो की मेजबानी की है, और हम सभी अभिनेताओं को बड़े पर्दे या विभिन्न ओटीटी प्लेटफार्मों से अलग जाते हुए देखा है।आज हमारे पास एमटीवी और वूट हैं जो इस शो को दिखाकर अद्भुत काम कर रहे हैं। इसलिए, यह कुछ अलग होना चाहिए, मेरे दिल के पास, और और एक विषय शायद मेरे लिए वहां रहने और इसके बारे में टेलीविजन के विरुद्ध सेल्युलाइड पर बोलने के लिए उपयुक्त है।

सवाल- एक यूथ आइकन के रूप में, एमटीवी निषेध 2 शो के जरिये आज के यूथ के लिए आपका क्या मेसेज है?

जवाब-सबसे पहले, मुझे यूथ आइकन कहने के लिए शुक्रिया, मुझे नहीं पता कि ज्यादातर समय उस शब्द को कैसे अनुभव किया जाए। मुझे लगता है कि जीवन को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ जीना चाहिए और हमेशा विश्वसनीय रहने की प्रयास करना चाहिए। मैं उस तरह बनने की कोशिश करता हूं, और अगर कोई युवा पीढ़ी मुझे सकारात्मक नजरिए से देखती है, वह इसलिए क्योंकि चाहे मे स्क्रीन पर हूं या ऑफ-स्क्रीन मैं विश्वसनीय हूं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं, सुनिए सबकी, लेकिन करिए वही जो आपको सही लगे। सुनना सीखिए क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि यह आपके सोचने के तरीके को कैसे बदल सकता है; अपने द्वारा की गयी पसंद पर विश्वास करें और फिर अपने दिल की सुनें। यह सुनना जरूरी है क्योंकि आपकी उम्र से बड़े लोग एक अनुभव लेकर आए हैं, इसे ध्यान से समझें , इससे सीखें, इसे आत्मसात करके हमेशा अपने दिमाग में रखें। आप भी किसी समय बूढ़े होंगे, और आपके पास ऐसे अनुभव भी होंगे जिन्हें आप लोगों की रक्षा के लिए साझा करना चाहेंगे। हम सभी गलतियाँ करते हैं और उनसे सीखते हैं, इसलिए हमारे माता-पिता चाहे कुछ भी कहें, हम बहुत सी चीजें करेंगे जो हम करना चाहते हैं। लेकिन, सुनना जरूरी है, और मैं हमेशा लोगों से यह कहता हूं कि वे अपना निर्णय खुद से लें।

जीएसटी विभाग की छापामारी से नाराज व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

भास्कर ब्यूरो

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल, के पधाधिकारीयों के द्वारा मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। पिछले कुछ दिनों से वाणिज्य कर विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में व्यापारियों के ठिकानों पर अंधाधुंध जीएसटी की छापेमारी की जा रही है। जिससे व्यापारियों में रोष व भय का माहोल बना हुआ है। उसी के विरोध में एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिला अध्यक्ष जयवीर राणा के नेतृत्व में दिया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष जयवीर राणा ने कहा कि वाणिज्य कर विभाग द्वारा लगातार की जा रही छापेमारी से व्यापारियों के अंदर डर का माहौल बना हुआ है। कोरोना महामारी की चपेट से व्यापारी वर्ग पूरी तरह उभर भी नहीं पाया है कि वाणिज्य कर विभाग ने विगत 10 दिनों से छापेमारी शुरू की हुई है। खासतौर पर इनके द्वारा मध्यम एवं छोटे व्यापारी को निशाना बनाया जा रहा है जोकि अनुचित है। उन्होनें कहा कि छापेमारी के दौरान कईं गाडियों का काफिला पुलिस बल साथ में लाया जाता है। जिससे ऐसा दर्शाया जाता है कि जैसे व्यापारी करदाता न होकर चोर है। जबकि व्यापारी समाज जनता से टैक्स कलेक्ट करके सरकार को देता है उसे टैक्स कलेक्टर की उपाधि मिलनी चाहिए। लेकिन यहां सब व्यापारी को चोर साबित करने पर तूले हुए हैं।

"रूहानी" - आपकी रूह आत्मा की कला

भास्कर ब्यूरो

नई दिल्ली। रूहानी कलाकार गुरसिमरन कौर द्वारा चित्रों पेंटिंग और डिजाइनर टेबलों का एक सोलो शो एकल प्रदर्शनी है, जिसे नीरज मित्रा द्वारा क्यूरेट किया गया है। उद्घाटन समारोह रविवार 11 दिसंबर 2022 को शाम 6 बजे लेफि्टनेंट द्वारा आर्ट एस्टः एन आर्ट एबोड में आयोजित किया गया था। एक व्यक्तित्व परिवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता कोच, डॉ. रीता गंगवानी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा भी सम्मानित किया गया है। यह प्रदर्शनी 15 जनवरी, 2023 तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक आर्ट एस्टः एन आर्ट एबोड, ब्लॉक इ- इउऊ गेट- विपुल वर्ल्ड, सेक्टर 48- गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित होगी। दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी गुरसिमरन कौर एक कलाकार और कला शिक्षिका हैं। दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी गुरसिमरन कौर एक कलाकार और कला शिक्षक हैं। उन्होंने प्रदर्शनियां अखिल भारतीय और विदेशों में लगाई हैं और वह आधुनिक कला कार्यशालाएँ वर्कशॉप भी लेती हैं। रूहानी - नाम का मूल अर्थ आपकी रूह आत्मा की कला है, उनके काम अधिकतर ब्रह्मांड, समानांतर ब्रह्मांड में होने वाली चीजों से प्रेरित हैं, जो वर्णनात्मक और अमूर्त रूप लेते हैं। उनकी हालिया रचनाएं और अवधारणा ह्लजीवनह्व के विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। कलाकार का मानना है कि हम आमतौर पर जीवन को एक बुनियादी दिनचर्या के रूप में देखते हैं, लेकिन वास्तव में यह उतार-चढ़ाव से भरी एक सुंदर और साहसिक यात्रा है, जिसे विभिन्न प्रतीकों, डिजाइनों, रंगों, माध्यमों और बहुत कुछ के माध्यम से चित्रित किया गया है।

पॉलिसीबाजार डॉट कॉम : गृहणियों के लिए स्टैंडअलोन टर्म प्लान के साथ किया लॉन्च

गृहणियों को स्वतंत्र टर्म इंश्योरेंस का विकल्प क्यों चुनना चाहिए?

भास्कर ब्यूरो

मेरठ। जीवन की अनिश्चितताएं हम में से प्रत्येक पर समान रूप से लागू होती है। फिर भी, दशकों से, सभी के पास अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने के समान साधन नहीं थे। यहां गृहणियों की अपने लिए एक स्वतंत्र टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने की पात्रता का है। सज्जा प्रवीण चौधरी, बिजनेस हेड- टर्म लाइफ इंश्ययोरेंस, पॉलिसीबाजार डॉट कॉमःगृहणियों के लिए स्टैंडअलोन टर्म प्लान के लॉन्च के साथ, काफी बदलाव हुआ है, इस प्लान को अब वे अपने पति या पत्नि की इंश्योरेंस या वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना खरीद सकते हैं। मैक्स लाइफ, टाटा एआईए, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ जैसी बीमा कंपनियों द्वारा यह लॉन्च देश के वित्तीय सुरक्षा परिदृश्य में एक नई सुबह का प्रतीक है, खासकर महिलाओं के लिए। बीमा की बढ़ी हुई पहुंच के साथ, गृहणियां अपने आश्रितों के लिए अपने जीवनसाथी पर निर्भर हुए बिना अपना सुरक्षा जाल प्रदान कर सकती हैं। यही कारण है कि प्रत्येक गृहिणी के लिए अपना भविष्य सुरक्षित करना और अपनी वित्तीय सुरक्षा पर बेहतर नियंत्रण रखना अनिवार्य है। वित्तीय साधनों की जानकारी होने के बाद भी, महिलाएं अक्सर अपनी वित्तीय योजना की जिम्मेदारी स्वयं नहीं लेती हैं। महिला निवेशक नेटवर्क द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 48 प्रतिशत महिलाएं निवेश के निर्णयों के लिए परिवार में पुरुषों पर निर्भर हैं। गृहणियों के मामले में यह निर्भरता ज्यादा होती है। सावधि बीमा एक गृहिणी के लिए उतना ही जरूरी है जितना कि परिवार के किसी भी कमाने वाले सदस्य के लिए। हालांकि, अब तक, वे इसे खरीदने के लिए अपने जीवनसाथी पर निर्भर थे, वह भी कुछ शर्तों के साथ। इसके अलावा, उन्हें बीमा राशि का केवल 50 प्रतिशत ही कवर दिया जाता था और आय गुणक पति या पत्न ी की वार्षिक आय पर निर्भर करता था। मान लीजिए, अगर वार्षिक आय 5 लाख रुपये थी और आय गुणक वार्षिक आय का 15 गुना है, तो पति 75 लाख रुपये के कवर के लिए पात्र होगा। अब इसमें से अगर हम मान लें कि वह 50 लाख रुपये का कवर लेता है, तो पत्नी के पास 25 लाख रुपये का कवर रह जाता है। और अगर हम मान लें कि पति 75 लाख रुपये का कवर लेता है, तो पत्नी किसी भी कवर के लिए पात्र नहीं होगी। पॉलिसी के नियम मुख्य रूप से कमाई करने वाले पति या पत्नी की आय और कवर की पसंद द्वारा तय किए गए थे। इसलिए, भले ही गृहिणी की कोई पॉलिसी हो, उसके नियंत्रण में बहुत कम था। इस योजना से इस निर्भरता को समाप्त कर दिया गया है। यह स्वतंत्र पॉलिसी 18-50 वर्ष की आयु वर्ग में गृहणियों के लिए उपलब्ध है। इस पॉलिसी की पहुंच को बढ़ाने के लिए, इस योजना को एक समावेशी और सुलभ तरीके से डिजाइन किया गया है इसकी दो बुनियादी शर्तें हैं जिन्हें पॉलिसीधारक को पूरा करना होगा- सालाना घरेलू आय कम से कम 5 लाख रुपये होनी चाहिए, और गृहिणी स्नातक होनी चाहिए। कुछ नीतियों के लिए पात्रता मानदंड के रूप में गृहिणी का 10वीं या 12वीं पास होना भी आवश्यक है। जीवनसाथी की आय या पॉलिसी पर पहले की निर्भरता को पूरी तर